>

Title: Suicides by farmers in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद): माननीय सभापति जी, मैं आप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अपने यहां बुलाया है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में पिछले पांच सालों से सूखा पड़ा हुआ है। यह भयंकर सूखा है। पहले हम लोग सुनते थे कि विदर्भ, आध्रप्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में किसान आत्म हत्या कर रहे हैं। मैं सदन में यह बताना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में लगभग पांच साल में साढ़े पांच सौ से ज्यादा किसानों ने भुखमरी और कर्जे के कारण आत्महत्या कर ली है। पिछले अगर तीन-चार साल में अगर देखा जाए तो लगभग 1800 किसानों ने बुंदेलखंड में आतहत्या की है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के निर्देश के बावजूद, उसको अनदेखी करते हुए, भारत सरकार ने जो साढ़े सात हजार करोड़ का पैकेज देने की घोषणा की थी। वह अभी तक दी नहीं है। इसके कारण किसान आज भी बड़ी संख्या में आत्महत्या कर रहे हैं और गांव छोड़ कर दूसरे जगहों पर पलायन कर रहे हैं। वहां पशुओं के लिए चारा नहीं है। उनको भोजन नहीं मिल रहा है। किसानों को दवा के लिए इंतजाम नहीं हो रहा है। ऐसी विषम स्थिति में, मैं सदन के द्वारा, आप के द्वारा सरकार से यह मांग करूंगा कि सरकार इस सदन में घोषणा करें कि साढ़े सात हजार करोड़ रूपया तत्काल उत्तर प्रदेश सरकार को वहां के लिए दिया जाएगा। वहां के किसानों को राहत पहुंचाने का काम करें जिससे इस विषम स्थिति से निपटा जा सके।

MR. CHAIRMAN : Shri Shailendra Kumar is associating with the issue raised by Shri Rewati Raman Singh.